भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद् द्वारा हिन्दी दिवस/हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई गतिविधियों/कार्यक्रमों की संक्षिप्त रिपोर्ट (14 से 21 सितम्बर, 2012)

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन

दिनांक 14 से 21 सितम्बर, 2012 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दिनांक 14 सितम्बर, 2012 को 'हिन्दी दिवस' समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भारतीय भाषा केन्द्र में सह–आचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर) के पद पर कार्यरत (प्रोफेसर) डा0 देवेन्द्र चौबे द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस सुअवसर पर श्री चौबे जी ने भा0रा0सह0संघ एवं रा0सह0प्र0 परिषद् के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग में हिन्दी ने ज्ञान–विज्ञान की भाषा के रूप में सारे संसार में अपनी पहचान बनाई है। आज समूचा विश्व हिन्दी सीख रहा है और बोल रहा है विशेषकर भारत के पड़ोसी देश जापान, कोरिया, चीन आदि जहां हिन्दी के प्रति बढ़ता हुआ लोगों का आकर्षण इस बात का द्योतक है कि हिन्दी अब संयुक्त राष्ट्र की भाषा के रूप में भी अपनाई जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समाज को भाषा के जरिए ही जोड़ा जा सकता है। जो भाषा आपके भावों–विचारों को सम्प्रेषित करे उसी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। हिन्दी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो सबसे अधिक एवं सरल तरीके से बोली एवं समझी जाती है। उन्होंने अफसोस जताया कि आज हिन्दी मुख्य भाषा के स्थान पर वैकल्पिक भाषा बन कर रह गई है। हमें इसे मुख्य भाषा का दर्जा दिलाने के लिए एकजुट प्रयास करने होंगे।

डा0 चन्द्रपाल सिंह, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ/राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि भारत में हिन्दी को वांछित सम्मान नहीं मिल पा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। आधे से ज्यादा भारत गांव में रहता है और वह हिन्दी को भली प्रकार समझ सकता है। हिन्दी ही उनके सम्प्रेषण की सशक्त भाषा है। वैसे भी किसी भी राष्ट्र की अस्मिता की पहचान उसकी भाषा होती है। अतः जितना विकास उसकी भाषा का होता है उतनी तेजी से उस देश का विकास होता है। अतः हमे देश की एकता, अखंडता को मजबूती प्रदान करने के लिए हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही हमें अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान होना भी आवश्यक है तथा उसका आवश्यकतानुसार प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि हमें हिन्दी को मान–सम्मान दिलाने के लिए वर्ष भर प्रयासरत रहने की प्रतिज्ञा करनी होगी क्योंकि जब इच्छा दृढ़ संकल्प का रूप लेती है तो सफलता निश्चित हो जाती है। डा0 दिनेश, मुख्य कार्यकारी, भा0रा0सह0 संघ एवं महा निदेशक, रा0सह0प्रशि0 परिषद ने अपने स्वागत भाषण में हिन्दी की महत्ता का वर्णन करते हुए सरल एवं सुबोध शब्दों को अपनाने पर प्रकाश डालते हुए कार्यालीय कार्य में इसका अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए दोनों संस्थाओं के राजभाषा अधिकारियों – श्री आशीष द्विवेदी, निदेशक (राजभाषा), भा.रा.सह. संघ एवं श्रीमती अमिता माथुर, हिन्दी अधिकारी, रा.सह.प्र. परिषद् द्वारा वर्ष विशेष के दौरान उनकी संस्थाओं में हुई हिन्दी प्रगति/उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। समारोह के अंत में, श्री गुलाब सिंह आज़ाद, निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं श्रोताओं का आभार प्रकट किया गया।

हिन्दी सप्ताह के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिनका संक्षिप्त ब्यौरा निम्न प्रकार है :–

हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता (अहिन्दी भाषी)

दिनांक 14 सितम्बर, 2012 को संघ कार्यालय में पहली बार अहिन्दी भाषा–भाषी कार्मिकों के लिए 'बेहतर विश्व के निर्माण में सहकारी उद्यम' विषय पर हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में भा0रा0सह0संघ एवं रा.सह.प्र.परिषद के 4 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित प्रतिभागी विजयी रहे :

प्रथम पुरस्कार	–	सुश्री शरली के0 पी0, रा.स.प्र.परिषद (केरल राज्य से)
द्वितीय पुरस्कार	–	श्री रितेश डे, भा.रा.स.संघ (पश्चिम बंगाल राज्य से)
तृतीय पुरस्कार	–	डा0 एन. रंजना देवी, रा.स.प्र.परिषद (मणिपुर राज्य से)
सांत्वना पुरस्कार	–	डा0 ए.आर. श्रीनाथ, भा.रा.स.संघ. (कर्नाटक राज्य से)

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 17 सितम्बर, 2012 को संघ कार्यालय में 'श्वेत क्रांति के जनक – डा0 वर्गिस कुरियन' एवं 'बेहतर विश्व के निर्माण में सहकारी उद्यम' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में भा0रा0सह0संघ एवं रा0सह0प्र0परिषद् के 14 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित प्रतिभागी विजयी रहे :

प्रथम पुरस्कार	–	श्री प्रहलाद सिंह, भा.रा.स.संघ
द्वितीय पुरस्कार	–	श्रीमती अमिता, भा.रा.स.संघ
तृतीय पुरस्कार	–	श्रीमती प्रीति आनन्द, रा.स.प्र.परिषद एवं
सांत्वना पुरस्कार	–	श्री सुनील कुमार, भा.रा.स.संघ

हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

दिनांक 18 सितम्बर, 2012 को संघ कार्यालय में हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में भा.रा.स.संघ एवं रा.स.प्र.परिषद के 14 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित प्रतिभागी विजयी रहे :

प्रथम पुरस्कार	–	श्री राकेश सिंह नेगी, भा.रा.स.संघ
द्वितीय पुरस्कार	–	श्रीमती रजनी शर्मा, भा.रा.स.संघ
तृतीय पुरस्कार	–	श्रीमती संतोष दत्त, भा.रा.स.संघ
सांत्वना पुरस्कार	–	श्री रमेश चन्द्र पाण्डेय, भा.रा.स.संघ

हिन्दी कहानी लेखन एवं कथा विस्तार प्रतियोगिता

दिनांक 20 सितम्बर, 2012 को संघ कार्यालय में पहली बार हिन्दी कहानी लेखन एवं कथा विस्तार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में भा.रा.स.संघ एवं रा.स.प्र.परिषद के 26 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों की शानदार प्रतिभागिता को ध्यान में रखते हुए, उनके मनोबल को बढ़ाने की दृष्टि से तथा प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई अनुशंसा पर विचार करते हुए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से सांत्वना पुरस्कारों की संख्या में इज़ाफा किया गया। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित प्रतिभागी विजयी रहे :

प्रथम पुरस्कार	–	श्री चन्दन सिंह, भा.रा.स.संघ
द्वितीय पुरस्कार	–	श्री गिरीश मांगलिक, रा.स.प्र.परिषद
तृतीय पुरस्कार	–	श्री ज्ञानेश्वर शर्मा, भा.रा.स.संघ
सांत्वना पुरस्कार	–	श्री मनीष भाटिया, रा.स.प्र.परिषद
		श्रीमती संतोष दत्त, भा.रा.स.संघ
		श्री राकेश सिंह नेगी, भा.रा.स.संघ
		श्रीमती प्रीति आनन्द, रा.स.प्र.परिषद
सांत्वना पुरस्कार (अहि0भाषी)	–	सुश्री शरली के0पी0, रा.स.प्र.परिषद

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 20 सितम्बर, 2012 को संघ कार्यालय द्वारा कहानी लेखन/कथा विस्तार विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन डा0 दिनेश, मुख्य कार्यकारी, भा.रा.स.संघ एवं महानिदेशक, रा.स.प्र.परिषद की अध्यक्षता में किया गया। डा0 दिनेश ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तरह के विषय पर चर्चा करते हुए जो प्रतियोगिता स्वरूप अभ्यास कराया जाएगा, उससे सभी के सृजनात्मक गुणों का विकास होगा। इस तरह के आयोजनों के लिए उन्होंने भा.रा.स. संघ एवं रा.स.प्र.परिषद की हिन्दी टीमों को बधाई दी। उक्त कार्यशाला को श्री उमेश मेहता, राजभाषा विशेषज्ञ एवं फोटो पत्रकार, नई दिल्ली द्वारा संबोधित किया गया। अपने व्याख्यान में श्री मेहता ने अधिकारियों को कहानी लेखन शैली, कहानी की पृष्ठभूमि तैयार करने और कहानी में किस तरह से सजीव भावों का चित्रण किया जाए आदि के बारे में बताया। उन्होंने इन्हीं बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए प्रयोग स्वरूप बतौर अभ्यास कहानी लेखन के लिए दो पैराग्राफ उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को दिए जिसका विस्तार उनके द्वारा स्वयं किया जाना था। इस कथा विस्तार हेतु जो पृष्ठभूमि रखी गई थी उसकी संक्षिप्त जानकारी भी उन्होंने दी। कार्यशाला के अंत में श्रीमती अमिता माथुर, हिन्दी अधिकारी, रा.स.प्र.परिषद ने श्री उमेश मेहता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में ऐतिहासिक रूप से

दर्ज हुई प्रतिभागियों की उपस्थिति तथा उनके द्वारा एकाग्रता एवं तल्लीनता से कथा का विस्तार किया जाना श्री उमेश मेहता की अभिप्रेरणा का ही परिणाम है जिसके लिए श्री मेहता को आज के युग के कहानी लेखन क्षेत्र का सच्चा प्रयोगधर्मी कहा जा सकता है।

अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक 21 सितम्बर, 2012 को केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद द्वारा संयुक्त रूप से अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री दिनेश राय, माननीय अध्यक्ष, भण्डारण विकास और विनियामक प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय प्रधान, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद तथा सहअध्यक्षता डा0 दिनेश, मुख्य कार्यकारी, भा.रा.स.संघ/ महानिदेशक, रा.स.प्र.परिषद द्वारा की गई। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता श्री राहुल देव, वरिष्ठ पत्रकार, समालोचक एवं मीडिया कर्मी थे। श्री दिनेश राय ने अपने संक्षिप्त एवं सारगर्भित अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी को बढ़ावा देने पर विचार प्रस्तुत किए। डा0 दिनेश ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी को सही मायनों में बढ़ावा देने के लिए हमें हिन्दी से दिल से जुड़ना होगा। श्री राहुल देव, मुख्य अतिथि ने कहा कि आज हम भाषा के जटिल एवं गहरे संकट में खड़े हैं। हमें भावुकता का त्याग कर स्वाभिमान एवं आत्मगौरव को जगाते हुए हिन्दी को बढ़ाना होगा। नई पीढ़ी हिन्दी भाषा के प्रति कैसे आकर्षित हो – इस पर गंभीर चिंतन किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए उस कार्य की 'गूंज' आवश्यक है जो 'हिन्दी' भाषा के संदर्भ में लुप्तप्रायः हो चुकी है। इस गूंज को पुनः जीवित करना होगा। इसी संगोष्ठी में श्री अमिताभ खरे, आई.आर.पी.एस. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर रेलवे एवं उप प्रधान के.स.हि.परिषद, श्री महेश चन्द्र गुप्त, वरिष्ठ साहित्यकार, श्री रमेश चन्द्र मेहता, विभागाध्यक्ष (हिन्दी), जाकिर हुसैन कालेज, नई दिल्ली, श्री शैलेश कुमार सिंह, उप निदेशक (कार्यान्वयन), भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा भी रोचक एवं ज्ञानवर्धक विचार प्रस्तुत किए गए। इसी अवसर पर भा.रा.स.संघ एवं रा.स.प्र.परिषद द्वारा हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं एवं इनके परिणामों की जानकारी दी गई। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि श्री राहुल देव जी द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। संगोष्ठी के अंत में, श्रीमती माथुर ने माननीय मुख्य अतिथियों, विशिष्ट वक्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह/श्रोताओं का आभार प्रकट करते हुए विभिन्न ने प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

-------xxxxxxx-------